देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ.....

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

रेफरेंस संख्या –2020/syst/01 E-Newsletter, Issued in Public Interest गुरुवार, 9 अप्रैल 2020

जयपुर में राजनैतिक दखलंदाजी के कारण कोरोना से लड़ने का भीलवाडा मॉडल फेल!

यह कैसा कर्फ्यू

राजनीतिक दल के लोग राशन बांटने पहुंचे, पर वहां जुटे 300-400 लोग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर. परकोटे में प्रशासन ने महाकर्फ्यू लगा रखा है लेकिन बुधवार को यहां कर्फ्यू की जमकर धज्जियां उड़ीं। हुआ यों कि किशनपोल स्थित नमक की मंडी क्षेत्र में एक राजनीतिक दल के लोग सूखी राशन सामग्री बांटने पहुंचे। इस पर 300-400 लोग घरों से निकल कर सड़क पर आ जुटे। न कर्फ्यू का ध्यान रखा, न सोशल डिस्टेंसिंग का।

मौके पर पहुंची सिविल डिफेंस की टीम व पुलिस ने राशन सामग्री बांटने वाले लोगों को मना किया लेकिन नहीं माने। आखिर पुलिस ने लाठियां भांजकर लोगों को हटाया।

हम घर-घर जाकर बांट देंगे, लोग मानते ही नहीं

सिविल डिफेंस की टीम का कहना था कि सामग्री वितरण के दौरान बड़ी संख्या में लोग एकत्र हो गए। हमने मना किया लेकिन नहीं माने। कहा कि गाड़ी हमारे नेताजी ने मंगवाई है, सामग्री तो बाटेंगे। हमने कहा कि सिविल डिफेंस और पुलिस की टीम घर-घर जाकर बांट देगी, हमने सभी लोगों की सूची बना रखी है मगर ये लोग नहीं माने। आखिर पुलिस ने लाठियां भांजकर हटाया।

सिविल डिफेंस राशन बांटने में अक्षम

सिविल डिफेंस को लिस्ट सौंप रखी है। उन्हें घर-घर जाकर राशन पहुंचाना है लेकिन वे राशन बांटने में अक्षम हैं। ऐसे में गाड़ी पहुंची तो लोग घरों से बाहर निकल आए। सूची बनाने में भी सिविल डिफेंस ने लापरवाही बरती है। **- अमीन कागजी,** विधायक

आखिर क्यों सफल रहा भीलवाडा मॉडल?

राज्य में जब कोरोना अपने पैर फैला रहा था,तभी एक स्थानीय अस्पताल की लापरवाही से भीलवाडा जिला कोरोना के संक्रमण के लिए कुख्यात हो गया|भीलवाडा की तुलना इटली और विहान से की जाने लगी|परन्तु स्थानीय जिला कलेक्टर श्री राजेन्द्र भट्ट और पुलिस अधीक्षक श्री हरेन्द्र महावर के कुशल नेतृत्व के कारण शीघ्र ही कोरोना के संक्रमण पर काबू पा लिया गया जिसके परिणामस्वरूप ही कोरोना से लड़ने के लिए कई राज्य और जिले भीलवाडा मॉडल के अनुसार कार्य कर रहे है|भीलवाडा मॉडल के सफल होने के कई कारण रहे हो परन्तु इसके बावजूद एक अत्यंत महत्वपूर्ण कारक भी इसकी सफलता के लिए जिम्मेदार है वह है प्रशासन के कार्यों में राजनैतिक दखलंदाजी नहीं होना|

दिनांक 09/04/2020 को प्रकाशित खबर

इस खबर को प्रमुखता से उठाने के लिए राजस्थान पत्रिका का धन्यवाद

देश के लिए.....अव्यवस्था के खिलाफ......

जवाब दो!!!सरकार...

www.jawabdosarkar.com

E-Newsletter, Issued in Public Interest

रोटी या राजनीति?

आखिर कौन है यह 5000 गुमनाम लोग,जिनका पेट हमारे विधायक महोदय सरकारी पैसे से भरना चाहते है?

फूड सप्लाई पर अफसर और जनप्रतिनिधि आमने-सामने

विधायक: एक-एक करोड़ दिए फिर भी 12 हजार घरों में ही पहुंचे

प्रशासन: हम सर्वे के हिसाब से जरूरतमंदों को दे रहे सामग्री

कम से कम वेतन में नेताओं के दबाव में काम कैसे करें

इस खबर को प्रमुखता से उठाने के लिए राजस्थान पत्रिका का धन्यवाद

दिनांक 03/04/2020 को प्रकाशित खबर

पूर्व में भी पत्रिका में प्रकाशित खबर पर हमारे द्वारा उठाया गया मुद्दा|

यही कारण रहा कि भीलवाडा में कोरोना के विरुद्ध लडाई में शीघ्र सफलता प्राप्त की|अपने कार्यों के लिए जिला कलेक्टर सीधे विभाग के मंत्री और विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को ही अपनी रिपोर्टिंग करते थे,किसी भी अन्य मंत्री,सांसद,विधायक को उन्होंने कभी अपने काम में दखल नहीं देने दिया|जिसका परिणाम यह रहा कि जहाँ एक और भीलवाडा कोरोना के संक्रमण के लिए कुख्यात हो रहा था वही स्थितियों पर काबू पाते हुए अब इसकी रोकथाम के लिए विख्यात हो रहा है|

जयपुर में राजनीति हावी

भीलवाडा की तर्ज पर जयपुर में भी कोरोना के हॉटस्पॉट को सील कर कर्फ्यू लगा दिया गया परन्तु राज्य की राजनीति का केंद्र होने की वजह से यहाँ के जिला कलेक्टर राजनैतिक दखलंदाजी पर काबू नहीं पा सके,जिसकी वजह से कोरोना के विरुद्ध लडाई के महत्वपूर्ण हथियार सोशल डिस्टेंसिंग को अमली जामा नहीं पहनाया जा सका है|आलम यह है कि स्थानीय विधायक प्रशासन पर राहत सामग्री वितरण में भेदभाव का आरोप लगा कर खुद ही अपने कार्यकर्ताओं के साथ जनता की वाहवाही लुटने के लिए राहत सामग्री बाँट रहे है,जिससे सड़कों पर भीड़ लग रही है,सेल्फियाँ खींची जा रही है और सोशल डिस्टेंसिंग का खुलेआम मखौल उडायाजा रहा है|

चारदीवारी के सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक बना रहे है प्रशासन पर दबाव|

ख़बरों के अनुसार जयपुर शहर की चारदीवारी से आने वाले सत्तारूढ़ दल के विधायकों द्वारा प्रशासन पर राहत सामग्री वितरण के लिए बेवजह दबाव बनाया जा रहा है|जिससे ना केवल राहत कार्य में लगे कर्मचारी हतोत्साहित हो रहे है वरन कोरोना के खिलाफ जंग भी धीमी पड़ती जा रही है|

क्या हो विकल्प?

यदि वाकई भीलवाडा मॉडल को सफल बनाना है तो सर्वप्रथम प्रशासन को राजनैतिक दखलंदाजी से मुक्त करना होगा बगैर इसके किसी भी सुरत में कोरोना से लड़ाई नहीं जीती जा सकती है|राजनेताओं,जन प्रतिनिधियों को प्रशासन का सहयोग करना चाहिए नाकि उनसे विद्वेष,प्रतिद्वंदिता या होडा-होड़ करनी चाहिए|ऐसे कठिन समय में समाज के हर वर्ग को एक दुसरे के प्रति सहयोग की भावना रखनी चाहिए|सरकार को चाहिए कि ऐसे नाजुक समय में राजनैतिक रोटियां सेकने वालों को चेतावनी दी जाए ना कि उन्हें प्रोत्साहित किया जाये|